पर्सनल फाइनेंस

राहुल जैन, हेड, पर्सनल वैल्थ एडवाइजरी, एड्लवाइज

समझदारी से चयन करें तो यूलिप से बेहतर रिटर्न संभव

हाल में मेरे एक क्लाइंट ने बताया वह कोई भी बड़ा निवेश मंगलवार को करना पसंद करता है। तो मुझे यह बात सुनकर हंसी आ गई। मैंने इससे इतर उसे लाख समझाने की कोशिश की। लेकिन विफल रहा। बाद में पता चला कि उसने शेयरों में मंगलवार को उस दौरान निवेश किया जब बाजार चढ़ रहा था। कीमतें ऑल टाइम हाई के आसपास थीं। जिस अंधविश्वास के सहारे उसने शेयरों में निवेश किया, वह उसे काफी महंगा साबित हुआ। मंगलवार के चक्कर में उसने ऊंची कीमतों पर शेयर खरीदे, जो गिरावट में कम भाव पर भी मिल सकते थे।

मैंने देखा है कि लोग निवेश के फैसले वास्तविकता के आधार पर नहीं, बल्कि कोरे अंधविश्वास और पहले से बनाए कल्पित विश्वास के आधार पर लेते हैं। कई बार यह अंधविश्वास तक ही सीमित नहीं रहते, मिथकों के आधार पर भी लिए जाते हैं। मैं यहां पर्सनल फाइनेंस से जुड़े तीन ऐसे ही मिथकों का जिक्र कर रहा हूं, जिनसे आपको बचना चाहिए..

मिथक 1. सोने और शेयरों में उलटा संबंध है

सोने में निवेश को लेकर मिथक यह है कि शेयरों में तेजी के वक्त सोना सस्ता होता है जबकि इसके उलट स्थिति में सोना महंगा होता है। लेकिन सच्चाई यह है कि शेयरों में अचानक तेज बिकवाली के वक्त सोने में उछाल आता है। लेकिन कुल-मिलाकर दोनों के बीच कोई संबंध नहीं है। मसलन 1993 में शेयरों की कीमतें 9.94% बढ़ीं थीं, तो सोने की कीमतें भी 17.35% बढ़ी थी। वर्ष 2000 में शेयरों में 9.03% बढ़त दर्ज हुई थी, तो सोने में भी 6.26% की बढ़त दर्ज हुई थी।

हकीकत: शेयरों की अचानक गिरावट से बचाव के लिए सोने में निवेश कर सकते हैं। लेकिन इनका शेयरों से कोई उलटा संबंध नहीं है।

मिथक 2. यूलिप्स महंगे होते हैं और कम रिटर्न देते हैं

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स (यूलिप्स) के बारे में यह मिथक इन प्रोडक्ट्स की मिस-सेलिंग का परिणाम हैं। लेकिन यदि हम यूलिप्स के फंड परफॉरमेंस का विश्लेषण करें तो यह बात सामने आती है कि इन्होंने पॉलिसीधारकों को लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है। इनके जरिए वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा यूलिप्स पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) से भी छूट प्राप्त है।

हकीकत: यदि यूलिप प्लान समझदारी के साथ चुनते हैं तो यह बाजार से आपको बेहतर रिटर्न दिला सकते हैं।

मिथक 3. रियल एस्टेट में निवेश से बच्चों की शिक्षा के लिए मोटी रकम जोड़ सकते हैं

ज्यादातर लोग रियल एस्टेट को निवेश का सबसे सुरक्षित माध्यम मानते हैं। लेकिन सच यह है कि तत्काल नकदी की जरूरत के वक्त रियल एस्टेट का निवेश बड़ी समस्या भी बन सकता है। इसकी वजह यह है कि प्रॉपर्टी को बेचने में काफी समय लगता है। पेपर वर्क भी अधिक होता है और स्टाम्प ड्यूटी भी लगती है। बच्चों की शिक्षा के लिए बचत के लिहाज से आपको लिक्विड इन्स्ट्रूमेंट्स में निवेश करना चाहिए। जरूरत के वक्त इन्हें बेचकर आप तत्काल नकदी जुटा सकते हैं।

हकीकत: आपकी प्राथमिकता तत्काल नकदी प्राप्त करने की हो, तो आपको रियल एस्टेट में निवेश से बचना चाहिए।

- ये लेखक के निजी विचार हैं। इनके आधार पर निवेश से नुकसान के लिए दैनिक भास्कर जिम्मेदार नहीं होगा।

मंडे पॉजिटिव ■ अभिषेक ने मुस्कान स्टार्टअप शुरू किया, फोर्ब्स ने एशिया के अंडर 30 सोशल कारोबारी में शामिल किया

शेल्टर होम्स के बच्चों को पढ़ाने से शुरू किया सफर, 70 सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की सुविधा मुहैया की, 10 लाख छात्रों तक पहुंचने का लक्ष्य

शिक्षकों की ट्रेनिंग के लिए एप, स्कूलों में होने वाले काम पर ऑनलाइन नजर

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

यह यकीन कर पाना मुश्किल होता है कि समाजसेवा भी कारोबार हो सकता है। लेकिन 26 साल के अभिषेक दुबे ने समाज सेवा को ही उद्यम बना लिया है। फोर्ब्स ने उनके इसी विचार को मानते हुए उन्हें एशिया अंडर 30 कारोबारी में शामिल किया है।

महज चार साल पहले अभिषेक ने मुस्कान ड्रीम्स स्टार्टअप शुरू कर सोशल आंत्रप्रेन्योर की शुरुआत की। वेदांता, आयकर विभाग, मप्र सरकार जैसे कई क्लाइंट्स बेस की बदौलत वे सरकारी स्कूलों में पड़ने वाले बच्चों को डिजिटल एजुकेशन दे पा रहे हैं। अभिषेक और उनकी टीम ने तकनीक के जरिए सरकारी स्कूलों के एजुकेशन सिस्टम के नए तरीके पर काम किया। क्लाइंट बनकर पहले कॉरपोरेट कंपनियों से फंडिंग हासिल की और उसे बच्चों की पढ़ाई में लगाया। अभिषेक ने मप्र के ग्वालियर से मुस्कान ड्रीम्स की शुरुआत में वेदांता के कसर फंड से दो स्कूलों को डिजिटल किया। अब भोपाल और ग्वालियर के 70 स्कूलों को डिजिटल करन के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। स्टार्टअप में 400 से ज्यादा लोग टीचर को ट्रेनिंग, डिजिटल क्लास रूम्स का इन्फ्रास्ट्रक्चर, छात्रों को नई तकनीक से पढ़ाने का काम करती है। वर्ष 2025 तक 10 लाख बच्चों, 10 हजार क्लास रूम्स और 3 हजार स्कूलों तक पहुंचने का लक्ष्य है।

विजन: डिजिटल एजुकेशन के लिए सरकार और कंपनियों को एक मंच पर लाना

मुस्कान स्टार्टअप के को-फाउंडर अभिषेक दुबे (दाएं) एक सम्मान समारोह के दौरान।

बच्चों को अंग्रेजी सिखाने के दौरान आया आइडिया

2013 में अभिषेक कम्प्यूटर साइंस में अपनी करियर बनाना चाहते थे। ग्वालियर के आईटीएम में एडमिशन लिया। इस दौरान वे कमजोर तबके के बच्चों को मुफ्त में पढ़ाने भी लगे। अभिषेक ने महसूस किया कि बच्चों की अंग्रेजी कमजोर है, तो उन्होंने इसके लिए डिजिटल तरीका अपनाया। वीडियो और छोटे-छोटे प्रोग्राम बनाकर उनकी अंग्रेजी ठीक की। फिर टीचर्स को प्रशिक्षित करके स्कूलों को डिजिटल करने का आइडिया सूझा।

पिता ने दी थी चेतावनी;या तो पापा चुन लो या समाजसेवा

शुरुआत में न तो फंड मिल रहे थे और न ही खुद की पढ़ाई पूरा करने का समय। इंजीनियरिंग की पढ़ाई में प्रोजेक्ट्स और होम वर्क भी मिल रहे थे। अभिषेक ने ठान लिया कि बच्चों का भविष्य सुधारेंगे, इसके लिए पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। अभिषेक के इस कदम से उनके पिताजी दुखी हुए। गुस्से में कह दिया कि या तो पापा चुन लो या फिर बच्चे। अभिषेक के लिए बहुत ही कठिन समय था, मगर हिम्मत नहीं हारी।

2014 में साथियों की मदद से शुरू किया स्टार्टअप

अभिषेक ने दोस्तों की मदद से 2014 में मुस्कान ड्रीम्स नाम की संस्था की स्थापना की। इसी बीच बच्चों को स्कूल किट देने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। इस काम में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और आईटीएम के प्रबंधक दौलत सिंह ने सहयोग किया। अभिषेक के साथ काम करने वाले ऋषिराज अब मुस्कान ड्रीम्स के को-फाउंडर हैं। अभिषेक बताते हैं की उनके उद्यम में कोई मालिक जैसी चीज नहीं है।

भास्कर एनालिसिस: टीसीएस का रुतबा कायम, 2014 के साथ 2019 में भी पहले नंबर पर

5 साल में सेंसेक्स 40% बढ़ा, टॉप-15 में से 9 कंपनियों का मार्केट कैप दोगुना

2014 के मुकाबले इस साल ओएनजीसी, कोल इंडिया, टाटा मोटर्स का मार्केट कैप गिरा

नई दिल्ली| पिछले पांच साल में सेंसेक्स ने करीब 40% का रिटर्न दिया, लेकिन 2014 के दौरान टॉप 15 में से 10 कंपनियों ने 90% या उससे अधिक का रिटर्न दिया। हालांकि 2019 में टॉप 15 कंपनियों की बात करें तो इसमें तीन नई कंपनियां इसमे शामिल हुईं। 2019 में टॉप 15 कंपनियों में से करीब 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 2014 के मुकाबले करीब दोगुने रफ्तार से बढ़ोतरी हुई।

2014 में 14 वें स्थान पर रही टाटा मोटर्स 2019 में 64वें स्थान पर पहुंच गई और इस दौरान कंपनी के मार्केट कैप में भी करीब 64% की गिरावट आई। इसी तरह छठे स्थान पर रही कोल इंडिया 2019 में 21वें स्थान पर पहुंच गई, कंपनी के मार्केट कैप में भी 31% की कमी आई। 2019 में टॉप 15 में शामिल टीसीएस, रिलायंस एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक का मार्केट कैप दोगुना या उससे ज्यादा हो गया। कोटक महिंद्रा बैंक का मार्केट कैप चार बुना बढ़ा। 2014 में टॉप 15 में शामिल रही ओएनजीसी, कोल इंडिया, टाटा मोटर्स और सन फार्मा के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली।

31 जुलाई 2019 को टॉप 15 कंपनियां

टीसीएस	4,169	8,276	↑99%
रिलायंस	3,004	7,391	↑146%
एचडीएफसी बैंक	1,797	6,157	↑243%
एचयूएल	1,306	3,736	↑186%
एचडीएफसी	1,379	3,661	↑165%
इन्फोसिस	1,874	3,404	↑82%
आईटीसी	2,807	3,314	↑18%
एसबीआई	1,432	2,963	↑107%
कोटक महिंद्रा	599	2,901	↑384%
आईसीआईसीआई	1,438	2,740	↑90%
एलएंडटी	1,180	1,946	↑65%
बजाज फिन	90	1,885	↑2,000%
एक्सिस बैंक	686	1,767	↑157%
ओएनजीसी	2,727	1,747	↓36%
भारती एयरटेल	1,275	1,734	↑36%

पिछले 5 साल में सेंसेक्स का प्रदर्शन

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बयाना जिला भरतपुर (राज.)

क्रमांक/स्वा./2019/2252 दिनांक : 08.08.19

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका बयाना द्वारा निम्नलिखित सफाई कार्यों हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 09.08.2019 से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 25.08.2019 समय सायं 06:00 बजे तक एवं निविदा दिनांक 29.08.2019 को सायं 02:00 बजे खोली जावेगी। निविदा फार्म ऑन लाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रु.)	टेण्डर शुल्क (रु.)	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन बिक्री की तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन जमा की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय
1.	सफाई जोन नं. 01 व 02 की सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था हेतु जिसमें नाली, सड़क, सफाई व कचरा उठाने का कार्य एवं जोन नं. 1, 2, 3 व 4 की रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था एवं कचरा उठाने का कार्य, पालिका के वाहनों पर सफाई श्रमिक उपलब्ध कराने का कार्य तथा सामुदायिक शौचालयों पर सफाई हेतु सफाई श्रमिक उपलब्ध कराने का कार्य एवं पालिका के वाहनों पर वाहन चालक उपलब्ध कराने का कार्य	160 लाख	320000	1000	09.08.2019 10:00 A.M.	25.08.2019 06:00 P.M.	29.08.2019 02:00 P.M.

शर्तें :
1. निविदा की महत्वपूर्ण शर्तें बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. निविदा शुल्क व अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट 'अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बयाना' के नाम देय होगा एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रुपये 1000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट MD RISL जयपुर के नाम देय होगा। निविदा शुल्क, अमानत राशि एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क ड्राफ्ट कार्यालय नगर पालिका बयाना की लेखा शाखा में दिनांक 27.08.2019 को समय दोपहर 02:00 बजे तक जमा कराना आवश्यक होगा। (निविदा शुल्क, अमानत राशि व ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क का ड्राफ्ट जमा नहीं करने पर निविदा के कार्य पर कोई विचार नहीं किया जावेगा)
3. उक्त दिवस का अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में प्राप्त व प्रस्तुत की जा सकेगी।
4. एक वीट का क्षेत्रफल 15000 से 20000 वर्गफुट होगा एवं दरें प्रति वीट देनी होगी।
5. वीट की सफाई न होने पर प्रति वीट 500/- रु. के हिसाब से राशि बिल से कटौती की जावेगी।
6. राज्य सरकार द्वारा SBM के अंतर्गत जारी निर्देशों के अनुसार अनुबंध अवधि में प्राप्त आदेशों की पालना करनी होगी।
7. उक्त निविदा में श्रम विभाग में पंजीकृत संवेदक एवं पांच वर्ष का अनुभव रखने वाले संवेदक ही पात्र माने जावेंगे।
8. सम्बन्धित जोन का कार्य क्षेत्रफल पालिका कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।
9. निविदा का क्षेत्र निविदा के साथ संलग्न है निविदा की शर्तों को पूरा किया जाना आवश्यक है।
10. समस्त निविदादाता निविदा की सभी शर्तों को पूर्ण कर निविदा के साथ ऑनलाईन दर्ज करें।
11. किसी भी निविदा को स्वीकार करने एवं बिना बताये निरस्त करने के समस्त अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता को होंगे।
12. सफाई कार्य क्षेत्रफल का भुगतान वीट क्षेत्रफल के अनुसार होगा। इसमें सफाई के साथ-साथ 2 फुट गहरी नाली की सफाई भी सम्मिलित होगी तथा आवश्यकतानुसार वीट क्षेत्रफल को बढ़ाया जा सकता है।
13. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी।
14. किसी कारणवश निविदा निश्चित दिनांक को ओपन नहीं हो पाती है तो आगामी दिवसों में निविदा खोली जावेगी।
15. संवेदक द्वारा श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान न्यूनतम मजदूरी से कम नहीं करना होगा।
16. राज्य सरकार के समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना करनी होगी।
17. संवेदक द्वारा सफाई श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान ऑनलाईन पद्धति से करना होगा।
18. संवेदक को ठेका स्वीकृत होने पर 1000/- रु. का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर संलग्न करना होगा।
19. संवेदक को 2.00 करोड रुपये के सिमिलन वर्क का अनुभव होना अनिवार्य होगा एवं उक्त कार्य का पांच वर्ष का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
20. संवेदक से आवश्यकतानुसार लेबर व वाहन चालक लिये जा सकेंगे।
21. संवेदक का रजिस्ट्रेशन (पंजीयन) भविष्य निधि में होना अनिवार्य होगा।
22. अन्य शर्तें पालिका में देखी जा सकती हैं।

अध्यक्ष
नगर पालिका मण्डल बयाना (भरतपुर) राज.

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल बयाना (भरतपुर) राज.

कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग में 100% एफडीआई कर सकती है सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय इस प्रस्ताव पर काम कर रहा है

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अनुमति देने के प्रस्ताव पर काम कर रही है। मौजूदा विदेशी निवेश नीति के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ऑटोमेटिक रूट से 100% एफडीआई की अनुमति है। मैन्युफैक्चरर को भारत में बने उत्पादों को बिना सरकार की मंजूरी के ई-कॉमर्स समेत थोक और खुदरा माध्यमों से बेचने की भी अनुमति है। मौजूदा नीति में कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग के बारे में कुछ नहीं कहा गया है और इस बारे में चीजें स्पष्ट नहीं हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को इससे बड़ा बूस्ट मिलेगा

यह एक अच्छा प्रस्ताव है। यदि सरकार इसे मंजूर करती है तो मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को इससे एक बड़ा बूस्ट मिलेगा। एपल जैसी टेक्नोलॉजी आधारित कंपनियों के लिए यह एक स्वागत योग्य प्रस्ताव है।

-रजत वाही, पार्टनर, डेलॉय इंडिया

दुनियाभर में बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर मैन्युफैक्चरिंग को पसंद कर रही हैं। इसीलिए इस मामले में स्पष्टीकरण की जरूरत है और सरकार इस पर सकारात्मक रूप से विचार कर रही है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय इस संबंध में एक प्रस्ताव पर काम कर रहा है।

कैस्ट्रॉल इंडिया का रियलिटी शो

मुंबई| ल्यूब्रिकेंट कंपनी कैस्ट्रॉल इंडिया ने मैकेनिक्स के लिए रियलिटी शो शुरू किया है। यह कैस्ट्रॉल सुपर मैकेनिक्स कॉन्टेस्ट का हिस्सा है। इसको टेलीविजन एक्टर रवि दुबे होस्ट करेंगे। यह शो मैकेनिकों को टेलीविजन पर आने का मौका देगा। कॉन्टेस्ट के तीसरे एडिशन में 1.27 लाख मैकेनिकों ने भागीदारी की थी।

जेके टायर ट्रील सेंसर्स लॉन्च

नई दिल्ली| जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ट्रील सेंसर्स लॉन्च किया है। यह टायरों की निगरानी करेगा। इसके लिए जेके टायर ने हाल ही स्टार्टअप ट्रील मोबिलिटी सॉल्यूशंस का अधिग्रहण किया है। कंपनी के चेयरमैन डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा कि ट्रील सेंसर्स स्मार्ट टायर बनाने की दिशा में पहला हाईटेक कदम है।

स्मार्ट सिटी को म्युनिसिपल बॉन्ड से फंड जुटाने की अनुमति संभव

एजेंसी | नई दिल्ली | बाजार नियामक संस्था (सेबी) स्मार्ट सिटी को फंड जुटाने में मदद के लिए म्युनिसिपल बांड (मुनि बांड) से जुड़े नियमों को आसान बनाने की योजना बना रहा है। ताकी डेट सिक्युरिटी को जारी कर फंड जुटाने और लिस्टिंग कराने में आसानी हो सके। यह नियम उन पंजीकृत संस्थाएं के लिए भी होंगे जो सिटी प्लानिंग और शहरी विकास कार्य कर रही हैं। सेबी ने पांच साल पहले नगर निगमों द्वारा बांड जारी करने और सूचीबद्ध कराने के नियमों में संशोधन किया था। उसके बाद से सात नगर निगमों ने बांड कर करीब 1,400 करोड़ रु. जुटाए है। अधिकारियों ने कहा कि नियामक ने अब बड़ी संख्या में शहरी विकास कार्यों में लगी अन्य संस्थाओं को भी फंड जुटाने के लिये इस रास्ते के इस्तेमाल की अनुमति देने का प्रस्ताव किया है।

जून में सबसे ली गई थी राय

सेबी ने नियमों में संशोधन के लिये उद्योग और बाजार से मिली जानकारी के बाद जून में सबसे राय लेना शुरू किया था। इस बारे में सुझाव और टिप्पणियां प्राप्त करने के बाद नियामक ने नियमों में संशोधन का निर्णय किया।

राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः नर्सिंग/जू.स.ए./भर्ती-2013/2019/422 दिनांकः 7.8.2019

विज्ञप्ति

निदेशालय द्वारा जूनियर साईंटिफिक ऐसिस्टेंट (जे.एस.ए.) के 06 पदों को भरे जाने हेतु विज्ञप्ति संख्या ई-33/(सीधी भर्ती-2013)/2013/176 दिनांक 26.02.2013 को प्रशासनिक एवं अपरिहार्य कारणों से एतद् द्वारा निरस्त की जाती है।

(मुकुल शर्मा)
अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, राजस्थान, जयपुर

डीआईपीआर/सी/6654/2019

प्रपत्र ए

सार्वजनिक उद्घोषणा

(इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया के विनियमन 6 के तहत (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए इन्सॉल्वेंसी रिज़ॉल्यूशन प्रक्रिया) नियम, 2016)

बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानाकर्षण हेतु

संबंधित विवरण

1.	कारपोरेट देनदार का नाम	बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
2.	कारपोरेट देनदार के निगमन की दिनांक	28 नवंबर 1996
3.	प्राधिकारी जिसके अंतर्गत कारपोरेट निगमित/पंजीकृत है	कारपोरेट अफेयर्स मंत्रालय, रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, राजस्थान, जयपुर
4.	कारपोरेट पहचान संख्या/ कॉर्पोरेट देनदार की सीमित देयता पहचान संख्या	एल24117आरजे1996पीएल सीओ12912
5.	कारपोरेट देनदार का प्रमुख कार्यालय तथा पंजीकृत कार्यालय का पता (यदि हो)	301, आनंद प्लाजा, युनिवर्सिटी रोड, उदयपुर राजस्थान 313001
6.	कारपोरेट देनदार के दिवालिया होने प्रारंभ दिनांक	7 अगस्त 2019 (9 अगस्त 2019की को ईमेल से प्राप्त आदेशानुसार)
7.	दीवालीया प्रक्रिया बंद होने की अनुमानित दिनांक	3 फरवरी 2020 (7 अगस्त 2019 से 180 दिन)
8.	अंतरिम रिजोल्यूशन अनुसार कार्यरत इंसॉल्वेंसी प्रोफेशनल का नाम एवं पंजीयन क्रमांक	नरेश वर्मा IBBI/IPA-002/IP-00054/2017- 18/10106
9.	बोर्ड के पास पंजीकृत अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल का पता तथा ई-मेल	416/7 एवं 8, प्रथम तल, करकरडुमा मेट्रो स्टेशन के सामने, नई दिल्ली- 110092, ई-मेलः office.nva@gmail.com
10.	अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशन से संपर्क उपयोग हेतु पता एवं ई-मेल	नरेश वर्मा 416/7 एवं 8, प्रथम तल, करकरडुमा मेट्रो स्टेशन के सामने, नई दिल्ली- 110092 (माता महामाई शिव मंदिर के पास) ई-मेलः CIRP2019BIL@gmail.com
11.	क्लेम प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	23 अगस्त 2019 (ई-मेल द्वारा प्राप्त आदेश की दिनांक 09.08.2019 अनुसार आईआरपी की नियुक्ति की दिनांक)
12.	अंतरिम रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशन के अनुसार, धारा 21 की उपधारा (6 ए) के खंड (बी) के तहत लेनदारों की श्रेणी, यदि कोई हो,	आईआरपी के पास जानकारी अनुसार
13.	इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल के नाम एक वर्ग में लेनदारों के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए पहचाने गए (प्रत्येक वर्ग के लिए तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(ए) संबंधित प्रपत्र एवं (बी) उपलब्ध अधिकृत प्रतिनिधि का विवरण	ए) वेब लिंक https://www.ibbi.gov.in/home/downloads बी) फिजिकल पताः उपरोक्त पॉइंट नं. 10 में अंकित अनुसार

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, जयपुर बेंच ने 7 अगस्त 2019 को **बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड** की कारपोरेट इन्सॉल्वेंसी प्रोसेस प्रारंभ करने का आदेश दिया है।

बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लेनदारों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अपने दावे के प्रमाण मद नं. 10 के सामने अंकित अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के पते पर 23 अगस्त 2019 को या इससे पूर्व प्रस्तुत करें।

वित्तीय लेनदार अपने दावे के प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रस्तुत करें। सभी अन्य लेनदार अपने प्रमाण व्यक्तिगत रूप से, डाक या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करें।

दावे के गलत या भ्रमपूर्ण प्रमाणों पर पैनल्टी लग सकती है।

दिनांकः 10 अगस्त 2019
स्थानः नई दिल्ली

हस्ता.
नरेश वर्मा
(अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल-
बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड)
IBBI/IPA-002/IP-00054/2017-18/10106

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा जिला-राजसमंद (राजस्थान)

क्रमांक/न.पा.नाथ./19-20/3930-32 दिनांक :- 7.8.2019

आपत्ती सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा स्टेटग्राण्ट एक्ट के तहत पट्टे प्राप्त करने हेतु पालिका में पत्रावली प्रस्तुत कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो नियमानुसार हैं। उक्त आवेदक के सम्बन्ध किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर देवें। अन्यथा प्रकरण में दस्तावेज पूर्ण पाये जाने एवं नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण होने पर उक्त प्रकरण में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

मार्केट कैप लाख करोड़ में

क्र. सं.	नाम आवेदक मय पता	निर्मित क्षैत्रफल (वर्ग फीट)	पड़ौस			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री शंकर वसीठा पिता सुखलाल वसीठा निवासी मोहनगढ़, नारथद्वारा	338	गली	आम रास्ता	मकान श्री पन्नालाल जी	आम रास्ता
2.	श्री त्रिभुवन सनाढ्य पिता घनश्याम सनाढ्य निवासी जाट खिडकी नाथद्वारा	1672.88	मंदिर मंडल चौकी	आम रास्ता	आम रास्ता	मकान श्री निरंजन सनाढ्य
3.	श्रीमती उमादेवी गौरवा पत्नी सत्यनारायण गौरवा नि. बड़ी खाकर गणेशनगर नाथद्वारा	710	गली	मकान श्रीलालजी गौरवा	सामलाती चौक	गली
4.	श्रीमती माणक बाई पत्नी किशनजी निवासी नाथुवास, नाथद्वारा	754.19	मकान श्री प्रकश चन्द्र	रास्ता	मकान श्री जमना लाल	भूखंड श्री मुन्ना गुर्जर

आयुक्त
नगरपालिका, नाथद्वारा

कार्यालय पंचायत समिति आमेट जिला-राजसमंद

क्रमांक :- पं.स.आ./लेखा/ई-टेंडर/2019-20/129 दिनांक :- 9.8.2019

ऑन लाईन ई-निविदा सूचना 01/2019-20

पंचायत समिति आमेट के अधीनस्थ ग्राम पंचायतों के द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 के महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजना अन्तर्गत कराये जाने वाले विकास कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने एवं उपकरण उपलब्ध कराने हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व 2013 के अनुसार राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धाराओं एवं पंचायती राज नियम 1996 के तहत वाणिज्य कर विभाग के पंजीकृत ऐसे विनिर्माताओं एवं विक्रेताओं आपूर्तिकर्ताओं जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रम में बोली लगाने में काली सूची में नहीं हो से ग्रामीणविकास एवं पंचायती राज विभाग के परिपत्र 2 अगस्त 2019 में वर्णित शर्तो एवं संलग्न शर्तो की पालना करते हुए एवं पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर पर ऑन लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्यो के लिए अमानत राशि कार्य की अनुमानित लागत पर 2 प्रतिशत राशि कार्यक्रम एवं विकास अधिकारी नरेगा पंचायत समिति आमेट के नाम बैंकर्स चैक/डी.डी. एवं समस्त वांछित दस्तावेज पंचायत समिति कार्यालय नरेगा शाखा में जमा कराने होंगे। अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।

निविदा की संख्या	ग्राम पंचायत का नाम	क्रमशः अनुमानित लागत प्रति ग्रा. पं. (राशि लाखों में)	ऑन लाइन निविदा विक्रय/डाउनलोड/ अप्लोड करने की दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क एवं अमानत राशि तकनीकी बिड भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक एवं समय	ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि
01 से 20	आगरिया, लिकी, बीकावास, दोवड़ा, गलवा, गोवल, घोसुण्डी, जिलोला, जेतपुरा, खाखरमाला, लोढ़ियाणा, ओलनाखेड़ा, पनोतिया, राछेटी, सरदारगढ़, सेलागुड़ा, साकरड़ा, सियाणा, आईडाणा, झौर	40.00 (प्रति ग्रा.प.)	13.8.2019 से 28.8 2019 (5.00 पी.एम. तक)	29.8.2019 (1.00 पी.एम. तक)	29.8.2019 2.00 पी.एम. बाद

अनुमानित लागत रुपये प्रति पंचायत 40 लाख रुपये उक्त निविदाओं की कार्यवार अमानत राशि कार्य अवधि अनुमानित लागत निविदा शुल्क का पूर्ण विवरण, शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं Dowanload कर प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड/नरेगा लेखा शाखा से कार्य दिवसों में देखी जा सकती हैं।

(श्रीमती अरविन्द कंवर)
प्रधान
पंचायत समिति आमेट

(राकेश पुरोहित RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति आमेट